दिनांक 06 सितम्बर, 2016 को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में पूर्वान्ह 11.30 बजे विश्वविद्यालय सभागार में सम्पन्न विद्या परिषद की 8वीं बैठक का कार्यवृत्त।

बैठक में निम्न ने प्रतिभाग किया :

1.	प्रोफेसर नागेश्वर राव, कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।	अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर धर्मेन्द्र कुमार, प्राध्यापक, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग विभाग, गुरू जाम्बेश्वर साइंस एण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा।	सदस्य
3.	प्रोफेसर शंभूनाथ सिंह, निदेशक, पत्रकारिता एवं नवीन जनसंचार अध्ययन विद्यापीठ, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली।	सदस्य
4.	प्रोफेसर एच.पी. शुक्ल, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
5.	प्रोफेसर गोविन्द सिंह, निदेशक, पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0,हल्द्वानी।	सदस्य
6.	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
7.	प्रोफेसर दुर्गेश पंत, निदेशक, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान, विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
8.	डॉ वीरेन्द्र कुमार, सहायक प्राध्यापक, कृषि, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

9. प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य/कुलसचिव उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी। — सदस्य सचिव

10. प्रोफेसर पी0डी0 पंत, परीक्षा नियंत्रक, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी। — आमंत्रित सदस्य

11. श्रीमती आभा गर्खाल, वित्त नियंत्रक, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी। — आमंत्रित सदस्य

सर्वप्रथम कुलसचिव (सचिव विद्या परिषद) द्वारा कुलपति (अध्यक्ष विद्यापरिषद) तथा सभी उपस्थित सदस्यों का विद्या परिषद की 8वीं बैठक में स्वागत किया गया। कुलसचिव ने विशेषरूप से परिषद की बैठक में उपस्थित दोनों बाह्य सदस्य प्रोफेसर शंभूनाथ सिंह तथा प्रोफेसर धमेन्द्र कुमार का स्वागत किया एवं विश्वविद्यालय के बारे में एक परिचयात्मक प्रस्तुतीकरण दिया। तदुपरान्त कुलपति प्रो० नागेश्वर राव द्वारा पूर्व कुलपति प्रोफेसर सुभाष धूलिया के द्वारा इस विश्वविद्यालय में कुलपति के रूप में उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने बताया कि प्रोफेसर धूलिया के प्रयासों से सह-प्राध्यापक के 10, सहायक प्राध्यापक के 07 एवं सहायक क्षेत्रीय निदेशक के 08 पदों का सृजन, वीडियो कॉन्फ्रेसिंग तथा स्मार्ट क्लास की स्थापना हुई। इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत परीक्षार्थियों को दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराये जाने संबंधी उनके सराहनीय प्रयासों एवं उनके निर्देशन में कराये गये विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए उनकी सराहना की गयी। कुलपति जी के द्वारा प्रोफेसर धूलिया के प्रति प्रस्तुत सराहना विषयक वकतव्य का परिषद के सभी सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया।

तदुपरान्त कुलपति प्रो० नागेश्वर राव ने समिति में उपस्थित दोनों बाह्य सदस्यों का विस्तृत परिचय देते हुए उनका स्वागत किया। कुलपति जी ने बताया कि विद्यापरिषद के सदस्य प्रोफेसर शम्भूनाथ सिंह पटना विश्वविद्यालय, बिहार के कुलपति रहे हैं। वे इग्नू में पत्रकारिता एवं मीडिया के संस्थापक निदेशक होने के साथ ही पत्रकारिता एवं मीडिया के क्षेत्र में विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं से जुडे रहे हैं। इसके अतिरिक्त प्रोफेसर सिंह विभिन्न केन्द्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों की विभिन् परिषदों के सदस्य के रूप में दिशा-निर्देश प्रदान करते हैं। कुलपति जी ने प्रोफेसर सिंह के इस विश्वविद्यालय की विद्यापरिषद के सदस्य के रूप में सम्मिलित होने पर तथा उनसे प्राप्त होने वाले दिशा- निर्देशों के प्रति उनका अग्रिम धन्यवाद किया। कुलपति जी के द्वारा दिये गये इस परिचय पर विद्यापरिषद के सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया।

कुलपति जी के द्वारा विद्यापरिषद के दूसरे बाह्य सदस्य प्रोफेसर धमेन्द्र कुमार, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग विभाग, गुरू जाम्बेश्वर साइंस एण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा का स्वागत करते हुए उनका परिचय दिया गया। कुलपति जी ने बताया कि प्रोफेसर धमेन्द्र कुमार कम्प्यूटर इंजीनियरिंग के क्षेत्र के ख्यातिलब्ध विद्वान हैं, जिनके निर्देशन में अनेकों शोधार्थी शोध उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। प्रोफेसर धमेन्द्र कुमार अनेक राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं एवं परिषदों के सदस्य हैं तथा इस रूप में वे इन संस्थाओं में अपना निर्देशन प्रदान करते रहे हैं। प्रोफेसर धमेन्द्र कुमार के बहुत से शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हैं और इस विश्वविद्यालय की विद्यापरिषद के सदस्य के रूप में उनके मार्ग निर्देशन एवं दिशा-निर्देश प्राप्त होने पर कुलपति जी ने हर्ष व्यक्त किया तथा परिषद के सभी सदस्यों ने प्रोफेसर धमेन्द्र कुमार का स्वागत किया।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

परिषद के सभी सदस्यों ने इस वक्तव्य का समर्थन किया। इसके पश्चात् परिषद द्वारा कार्यसूची पर विचार किया गया तथा निम्नवत् प्रस्ताव स्वीकार किये गये:-

प्रस्ताव संख्या 8.01- विद्या परिषद की 7वीं बैठक दिनांक 27 जून, 2015 के कार्यवृत्त की पुष्टि।

विद्या परिषद की **दिनांक 27 जून, 2015 को सम्पन्न 7वीं बैठक के** कार्यवृत्त का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

प्रस्ताव संख्या 8.02- विद्या परिषद की 7वीं बैठक दिनांक 27 जून, 2015 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही।

परिषद द्वारा कृत कार्यवाही का अवलोकन किया गया तथा उस पर संतोष व्यक्त किया गया।

प्रस्ताव संख्या 8.03- विश्वविद्यालय विद्या शाखाओं के अध्ययन बोर्डों (Board of Studies) की संस्तुतियों पर विचार एवं अनुमोदन हेतु प्रस्ताव।

उपरोक्त से परिषद अवगत हुई तथा अध्ययन बोर्डों की वर्तमान तथा नये पाठ्यक्रमों की संस्तुतियों का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। परिषद ने यह मत व्यक्त किया कि अध्ययन सामग्री के लेखकों, सम्पादकों इत्यादि के नामों की सूची अलग से कुलपति जी के स्तर से अनुमोदित करा ली जाय तथा इसे भविष्य में विद्यापरिषद की बैठक के कार्यवृत्त में सम्मिलित न किया जाय।

उक्त के अतिरिक्त परिषद ने यह भी निर्देश दिया कि सभी विभाग CBCS के अनुरूप पाठ्यक्रम को परिवर्तित करने की कार्यवाही शीघ्र ही सम्पन्न करें।

प्रस्ताव संख्या 8.04- विश्वविद्यालय में प्रथम दीक्षान्त समारोह आयोजित किये जाने के संबंध में।

विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षान्त समारोह के आयोजन के संबंध में प्रस्तुत सूचना तथा कुलाधिपति जी द्वारा दिनांक 07 नवम्बर, 2016 को दीक्षान्त समारोह आयोजित किये जाने की अनुमति से परिषद अवगत हुई। परिषद ने प्रस्ताव के साथ सत्र 2014-15 में विभिन्न स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण 5,278 विद्यार्थियों को उपाधियां एवं मेडल प्रदान किये जाने हेतु संस्तुति प्रदान की।

उक्त के अतिरिक्त सत्र 2014-15 में प्रमाण-पत्र तथा डिप्लोमा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों की सूची सदस्य सचिव के द्वारा पूरक सूचना के रूप में परिषद के समक्ष प्रस्तुत की गयी तथा परिषद ने सूची में वर्णित सभी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र अथवा डिप्लोमा प्रदान किये जाने की अनुमति प्रदान की।

परिषद द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मैडल दिये जाने के संबंध में कुलपति जी द्वारा गठित समिति की संस्तुतियों में निम्न संशोधन करते हुए स्वीकृति प्रदान की गयी;

(i) पदक प्रदान किए जाने हेतु किसी भी पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों की न्यूनतम संख्या 100 की गणना करने में पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या को स्वीकार किया जायेगा।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

(ii) केवल प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को ही मेडल प्रदान किए जायेंगे।

(iii) स्वर्ण पदक बनवाने के लिए MMTC से जानकारी प्राप्त की जाय तथा यदि संभव हो, तो MMTC से ही मेडल बनवाने का कार्य कराए जाने का सुझाव दिया गया।

(iv) केवल सत्र 2014-15 के पुनर्मूल्यांकन वाले प्रकरणों को भी मेडल के लिए स्वीकार किया जायेगा।

प्रस्ताव संख्या 8.05- स्नातक कला पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा विषय चयन के संबंध में।

विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक कला पाठयक्रम में विद्यार्थियों के लिए विषय चयन के संबंध में निदेशकों द्वारा प्रस्तुत तथा कुलपति द्वारा अनुमोदित संस्तुतियों पर सहमति व्यक्त की गयी।

प्रस्ताव संख्या 8.06- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2016-17 तथा 2017-18 में विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जाने वाले पाठ्यक्रमों के संचालन की अनुमति प्रदान किये जाने के संबंध में।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (DEB) द्वारा शैक्षणिक सत्र 2016-17 तथा 2017-18 में विश्वविद्यालय को अनुमत पाठ्यक्रमों की सूची का परिषद द्वारा अवलोकन किया गया।

प्रस्ताव संख्या 8.07- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से समय-समय पर प्राप्त दिशा-निर्देशों के तहत विश्वविद्यालय में स्थापित समान अवसर अनुभाग(अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ, महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ, दिव्यांग प्रकोष्ठ तथा अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) स्थापित किये जाने के संबंध में।

विश्वविद्यालय में समान अवसर अनुभाग(अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ, महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ, दिव्यांग प्रकोष्ठ तथा अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) की स्थापना के संबंध में की गई कार्यवाही एवं कार्यालय आदेश का परिषद द्वारा अवलोकन किया गया तथा कृत कार्यवाही पर संतोष व्यक्त किया गया।

प्रस्ताव संख्या 8.08- वृहद मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रमों (Massive Open Online Courses) से संबंधित यू0जी0सी0 की अधिसूचना को अंगीकृत किये जाने के संबंध में।

वृहद मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रमों (Massive Open Online Courses) से संबंधित यू0जी0सी0 की अधिसूचना को अंगीकृत किये जाने संबंधी प्रस्ताव पर मानव विकास संसाधन मंत्रालय के पत्र दिनांक 22 अगस्त, 2016 के अनुसार कार्यवाही किये जाने पर परिषद द्वारा निर्देश प्रदान किये गये।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

प्रस्ताव संख्या 8.09- विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को वर्ष में दो बार प्रवेश दिये जाने के संबंध में।

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को वर्ष में दो बार प्रवेश दिये जाने संबंधी प्रस्ताव पर परिषद द्वारा सहमति प्रदान की गयी।

प्रस्ताव संख्या 8.10- विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में सत्रीय कार्य के लिए निर्धारित 40 अंकों को 30 अंकों में परिवर्तित किये जाने तथा 'एड-आन' पाठ्यक्रमों की व्यवस्था के संबंध में।

विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में सत्रीय कार्य के लिए निर्धारित 40 अंकों को 30 अंकों में परिवर्तित किये जाने संबंधी प्रस्ताव का परिषद द्वारा अवलोकन किया गया तथा आगामी शैक्षणिक सत्र से सत्रीय कार्य हेतु निर्धारित 30 अंकों को 25 अंकों में परिवर्तित किये जाने के संबंध में सुझाव दिया गया।

परिषद द्वारा 'एड-आन' पाठ्यक्रम की व्यवस्था के अन्तर्गत स्नातक तथा परास्नातक पाठ्यक्रमों के साथ एक सर्टिफिकेट अथवा एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम किये जाने पर भी अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 8.11- 05 सितम्बर शिक्षक दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए विश्वविद्यालय के अथवा उत्तराखण्ड के अन्य विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों के शिक्षकों को सम्मानित किये जाने के संबंध में।

दिनांक 05 सितम्बर शिक्षक दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित समारोह विषयक प्रस्ताव का परिषद द्वारा अवलोकन किया गया तथा विश्वविद्यालय द्वारा इस हेतु प्रदान किए जाने वाले सम्मान का प्रस्तावित नाम ''उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षक सम्मान'' स्वीकार किया गया। इस प्रस्ताव को एक सराहनीय कदम बताते हुए परिषद ने इस सम्बन्ध में उपयुक्त नियम बनाने हेतु कुलपति को अधिकृत किया।

प्रस्ताव संख्या 8.12- महामहिम राज्यपाल/कुलाधिपति के निर्देश के अनुपालन में विश्वविद्यालय द्वारा गोद ली गई पॉच ग्राम सभाओं के संबंध में।

महामहिम राज्यपाल/कुलाधिपति के निर्देश के अनुपालन में विश्वविद्यालय द्वारा गोद ली गई पॉच ग्राम सभाओं में किए जा रहे कार्यों तथा इन गांवों के पंजीकृत प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं से परिषद अवगत हुई। परिषद ने इस कार्य के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की तथा देहरादून स्थित मोथरोवाला एवं जौनसार भाबर के समल्टा नामक 02 और गांवों को गोद लिये जाने के सुझाव को स्वीकार किया। इन ग्रामों में वांछित कार्यवाही निदेशक,देहरादून परिसर के स्तर से की जायेगी।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

प्रस्ताव संख्या 8.13- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या-285 दिनांक 11 जुलाई, 2016 को अंगीकृत किये जाने के संबंध में।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों को कैरियर अभिवर्धन योजना का लाभ अनुमन्य किये जाने हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या-285 दिनांक 11 जुलाई, 2016 को सिद्धान्तत: अंगीकृत कर आगामी कार्यवाही किये जाने की परिषद द्वारा संस्तुति प्रदान की गयी।

प्रस्ताव संख्या 8.14- शोध-उपाधि प्रदान करने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित शोध अध्यादेश में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/ पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 को अंगीकृत किये जाने के संबंध में।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम०फिल०/पीएच०डी० उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 को अंगीकृत करते हुए निर्मित किए गए विश्वविद्यालय के शोध उपाधि अध्यादेश का परिषद द्वारा अवलोकन किया गया तथा इन्हें कुछ सुझावों के समावेश के साथ स्वीकार किए जाने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 8.15- यूजीसी के निर्देशानुसार शोध जर्नलों की मान्य सूची बनाये जाने के संबंध में।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप तैयार की गई शोध जर्नलों की सूची का परिषद के द्वारा अवलोकन किया गया तथा इसे स्वीकार करते हुए मान्य सूची के अनुरूप अंगीकार किये जाने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया।

कार्यसूची में सूचीबद्ध सभी प्रस्तावों पर विचार विमर्श एवं निर्णयों के उपरांत विद्यापरिषद के सदस्य सचिव प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, कुलसचिव द्वारा सभी माननीय सदस्यों एवं विशेषकर बाह्य सदस्यों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी सदस्यों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अन्त में अध्यक्ष महोदय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक सम्पन्न हुई।

08/9/16

(प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र)

कुलसचिव/सदस्य सचिव

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

हल्द्वानी (नैनीताल)

अनुमोदित

8/9/16

प्रो० नागेश्वर राव

कुलपति

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

हल्द्वानी, जिला नैनीताल (उत्तराखण्ड)